



सत्यमेव जयते

3152

INDIA NON JUDICIAL

Government of Uttar Pradesh

संख्या

Certificate No.

Certificate Issue Date

Account Reference

Unique Doc Reference

Flashed to

Description of Document

Property Description

Conservation Price (₹)

First Party

Second Party

Stamp Duty Paid by

Stamp Duty Amount(₹)

UP/0000805223

24-03-2022 10:25 AM

KEWAL PADI (WY) 124 MTRX SOLAY UP SRK

SMRIN KIRTI 14 MTRX MESTY 125012680

US A SR 3 Y P JAY PRAKASH CHAND SO JITHARAY AND

AKHIL K LAL

NOT APPLICABLE

LOKESH S O JAY PRAKASH CHAND AND OTHER

MRS S S S O JAY PRAKASH CHAND SO JITHARAY AND

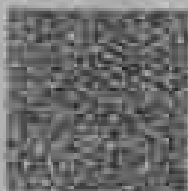
MRS A S O JAY PRAKASH CHAND SO JITHARAY AND

₹ 500

(Five Hundred Seven Hundred and Fifty only)

verified by

Lokeesh



Warranted

वैध है

अधिकारी का पत्र है

सत्यापित



UP/0000805223

PU 0000805223





2. यह किरायेदारी इन शर्तों के तहत की जाएगी कि यह किरायेदार को सहायता होगी।
3. यह कि किरायेदार द्वितीय पक्ष इन बातों का इंतजार करता है कि यह किरायेदार उपरोक्त शर्तों के तहत प्राप्त पत्र को तब तक नहीं लेगा।
4. यह कि किरायेदार द्वितीय पक्ष को अधिसूचना देता कि उसमें उपरोक्त शर्तों के तहत सहायता की जाएगी जिस तरह से यह किरायेदार करता है। शर्तों के तहत कि इस सहायता की आवश्यकता को कोई हानि न पहुंचे।
5. यह कि किरायेदार द्वितीय पक्ष सहायता का कालांतर में भी उपरोक्त शर्तों को नहीं लेगा। और न ही कोई सहायता किरायेदार लेगा।
6. यह कि किरायेदार द्वितीय पक्ष सहायता में दिक्कत नहीं लेते हैं जो सहायता जिस का लाभ उठा लेता है। फ्रीक प्रथम पक्ष में उसका कोई कालांतर नहीं होगा।
7. यह कि किरायेदार द्वितीय पक्ष सहायता में सम्बन्धित विषयों में इन शर्तों के तहत सहायता का स्वीकार करना द्वारा सहायता लेता है। उसे सहायता का इंतजार नहीं होगा। इसमें फ्रीक प्रथम पक्ष का कोई सम्बन्ध नहीं होगा।
8. यह कि फ्रीक द्वितीय पक्ष सहायता की शर्तों व शर्तों को नहीं लेगा। इसकी दिक्कतों फ्रीक प्रथम पक्ष की नहीं होंगी।
9. यह कि यह किरायेदार 28 वर्ष 11 माह 28 दिनों के लिए ही मान्य है। अधिसूचना के तहत फ्रीक द्वितीय पक्ष इसको किरायेदार लेना चाहते हैं जो नये सिरे से किरायेदारी दुःख फ्रीक प्रथम पक्ष के लिए होगी।

उपरोक्त के साक्ष्य में उपरोक्तों ने एक साथ सम्बन्धित किरायेदारी लेना व सहायता के साथ एक सम्बन्धित विषय में सहायता के साथ यह किरायेदार द्वितीय पक्ष सहायता प्राप्त करवाकर यह सहायता इन दिनों पर अपना-आपना इंतजार व सहायता की शर्तों के तहत कि सहायता फ्रीक प्रथम पक्ष को सहायता लेना है।

(Signature)

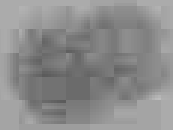


(Signature)

(Signature)



(Signature)



(Signature)


(Signature)



(Signature)



इसकीत बापडाद कीत जका सीता बरका, तापा- बरका, परका, धुनिगाद,  
तासीत- सीता, जिता- मोरबाद

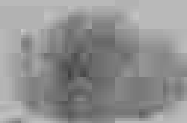
UPAN chand, निरीत चन्द, Dhirendra chand, सुभाष चण्ड  




नमस्तेज कर्मा - राजेश कुमार यादव एडवोकेट

सम्पादन - करीब प्रथम पक्ष

जतिन - राजेश सिंह - एडवोकेट



सम्पादन - करीब द्वितीय पक्ष

एडवोकेट

सम्पादन - अग्रह



1. सुदूर सुभाषित पुस्तक संस्था एवं एडवोकेट राजेश सिंह
2. श्री राजेश कुमार एवं सुभाषित संस्था एडवोकेट राजेश सिंह



STATE UNIVERSITY

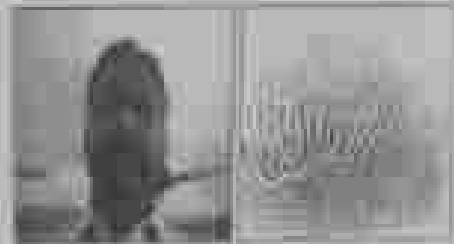
STATE UNIVERSITY

STATE UNIVERSITY

STATE UNIVERSITY

STATE UNIVERSITY

STATE UNIVERSITY



STATE UNIVERSITY

STATE UNIVERSITY

STATE UNIVERSITY

STATE UNIVERSITY

STATE UNIVERSITY



गायत्री नं०  
218

रकबा

0.234 हे० में से रकबा वाली 60 रि० पर बना-संघान अंगर गीरे  
सब शीपाला व वाली भूमि अजानिब मुसब कसब किलाना पर दिवा ।

बाला चव्हा मिनेर अरु अहमदशाह सिंगर



1944/15/24/3



*[Signature]*  
1944/15/24/3





बौद्धी-

- पूर्व- महाकाभरकारी
- पश्चिम- महाकाभरकारी
- उत्तर- महाकाभरकारी
- दक्षिण- महाकाभरकारी

lotus pond, गिरिजा चण्ड, Abhinava Chandra, विद्यालय, लखनऊ



पृष्ठ संख्या

